बस्तर में माओवादियों से मुठभेड़

चर्चा में क्यों?

छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में उग्रवाद विरोधी अभियान में पाँच माओवादी मारे गए तथा दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए।

प्रमुख बिंदु

- **ऑपरेशन में शामिल बल:**
  - इस ऑपरेशन में सीमा सुरक्षा बल (BSF), ज़िला रिज़र्व गार्ड (DRG) और **विशेष कार्य बल (STF)** के जवान शामिल हैं।
  - **सीमा सुरक्षा बल (BSF)** भारत में वर्ष 1965 में स्थापित एक अर्द्धसैनिक बल है, जिसकी स्थापना मुख्य रूप से देश की भूमि सीमाओं की रक्षा करने तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिये की गई थी।
- **बस्तर क्षेत्र में माओवादियों के हताहत होने की संख्या:**
  - **वर्ष 2024 में** बस्तर क्षेत्र में अलग-अलग मुठभेड़ों में **कुल 197 माओवादियों के शव बरामद** किये गये।

ज़िला रिज़र्व गार्ड (DRG)

- ज़िला रिज़र्व गार्ड (DRG) **छत्तीसगढ़ में एक विशेष पुलिस इकाई** है, जिसे **वर्ष 2008 में** माओवादी हिंसा से निपटने के लिये **स्थापित** किया गया था।
- इसमें **विशेष रूप से प्रशिक्षित कार्मिक** शामिल होते हैं जो प्रभावित ज़िलों में माओवाद-विरोधी अभियान चलाते हैं, **तलाशी और जब्ती करते हैं तथा खुफिया जानकारी एकत्र** करते हैं।
- माओवादी विद्रोह का मुकाबला करने के लिये DRG केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF) जैसे अन्य सुरक्षा बलों के साथ सहयोग करता है।

वामपंथी उग्रवाद

परिचय

- **उत्पत्ति:** वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी में विद्रोह
- **उद्देश्य:** क्रांतिकारी तरीकों के माध्यम से सामाजिक और राजनीतिक बदलाव

विचारधारा

- सशस्त्र क्रांति (हिंसा और गुरिल्ला पद्धति) के माध्यम से केंद्र सरकार का विरोध
- माओवादी सिद्धांतों पर आधारित साम्यवादी राज्य की स्थापना

ज़िम्मेदार कारक

- विकास परियोजनाओं, खनन कार्यों के कारण **जनजातीय आबादी का वृहद् स्तरीय विस्थापन**
- **आदिवासी असंतोष;** वन (संरक्षण) अधिनियम 1980 जनजातियों को वन संसाधनों की कटाई करने से रोकता है
- **निर्धनता और स्थायी साधनों की कमी;** नक्सली आंदोलन में शामिल होने के लिये प्रेरक कारक
- **प्रभावी शासन का अभाव;** नक्सलवाद के विरुद्ध अपर्याप्त तकनीकी खुफिया जानकारी

वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्य

- **रेड कॉरिडोर:** गंभीर नक्सलवाद-माओवादी विद्रोह का अनुभव
- छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और केरल

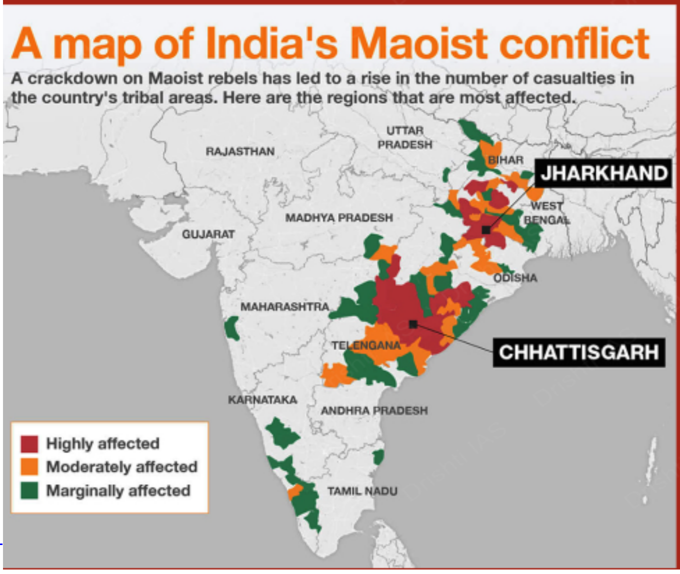

वामपंथी उग्रवाद पर अंकुश लगाने हेतु सरकारी पहलें

- वामपंथी उग्रवाद से निपटने के लिये राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना 2015
- SAMADHAN सिद्धांत
  - S- स्मार्ट लीडरशिप
  - A- एग्रेसिव स्ट्रेटेजी
  - M- मोटिवेशन एंड ट्रेनिंग
  - A- एक्शनेबल इंटेलिजेंस
  - D- डैशबोर्ड-बेस्ड KPIs (Key Performance Indicators) और KRAs (Key Result Areas)
  - H- हार्नेसिंग टेक्नोलॉजी
  - A- एक्शन प्लान फॉर इच थिएटर
  - N- नो एक्सेस टू फाइनेंसिंग
- सार्वजनिक अवसंरचना और सेवाओं में विशेष केंद्रीय सहायता (SCA)
- ऑपरेशन ग्रीन हंट
- **ग्रेहाउंड** (आंध्र प्रदेश का इलीट कमांडो फॉर्स)
- **बस्तरिया बटालियन** (छत्तीसगढ़ में स्थानीय नियुक्तियाँ जो भाषा और इलाके से परिचित हैं, जिससे खुफिया जानकारी एकत्रित की जा सके और ऑपरेशन किये जा सकें)

नक्सलवाद का सामना- बंदोपाध्याय समिति (वर्ष 2006)

- इसमें जनजातियों के प्रति आर्थिक, सामाजिक-राजनीतिक और सांस्कृतिक भेदभाव एवं शासन की अपर्याप्त नीतियों पर प्रकाश डाला गया
- इसमें आदिवासियों के लिये भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास की सिफारिश की गई

Drishti IAS

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/maoists-encounter-in-bastar